DIEM SACRUM

AB S. LUDOVICI NOMINE

NUNCUPATUM

IN HONOREM

SERENISSIMI ET POTENTISSIMI

PRINCIPIS ET DOMINI

LUDOVICI III

MAGNI DUCIS HASSIAE ET AD RHENUM

CIVIBUS

ACADEMIAE LUDOVICIANAE

OMNI QUA PAR EST

OBSERVANTIA ET REVERENTIA

CELEBRANDUM

RECTOR CUM SENATU

INDICIT.

INEST CODICIS SCHOLIORUM SOPHOCLEORUM LOBKOWICIANI COLLATIONIS A LUDOVICO LANGIO CONFECTAE SPECIMEN QUARTUM.

GISSAE.

TYPIS OFFICINAE BRUEHLIANAE ACADEMICAE (FR. CHR. PIETSCH).

MDCCCLXIX.

In enarranda varietate codicis scholiorum Sophocleorum Lobkowiciani substiteramus anno superiore ad versum Oedipodis Colonei 157. En habes varietatem eorum quae sequuntur:

158,1 E Κάδοδρος — πλήρης *l* om.

159,1 E Μειλιχίων πότων: *l* μειλιχίων πότων 159,1 Γλυκέων πότων *l* om. 159,2 E cum R μειλίσσουσι *l* cum L μελίσσουσι 159,3 E κρατήρ *l* cum L χρή R κρᾶμα In χρή latere censeo χοή, qua voce nulla aptior inveniri potest.

160,1—163,3 E Συντρέχει] — ἄλσει *l* om. 163,4 E Πολλὰ κέλευθος ἐρατύει: *l* πολλὰ κέλευθος ἐρατύεις 163,4 E Οἶον *l* ἢ suprascripto γ, voluit igitur ἤγουν 163,5 E ὁδὸς *l* ἡ ὁδὸς Quod praeferendum est. 163,5 E ὡς ἔτι L et R ὡς ὅτι *l* ὅτι Quod fortasse praeferendum est. 163,6 E cum R προσφωνοῦσιν *l* cum L προφωνοῦσιν 163,8 E οὐδῷ *l* οὐ cum particulae δὲ compendio

166,1 E Ἔχεις: γρ. Οἴσεις *l* cum R om.

169,1 E Φώνει: *l* φώνει 169,2 E ἀποστὰς *l* ἐπιστὰς 169,4—170,1 E Πρόσθεν — ποιήσομεν *l* om.

171,1 E μελετᾶν *l* om. 171,2—4 E [Εἰς τὸ αὐτό.] — πόλει *l* om.

175,1 E Σοὶ πιστεύσας: *l* σοὶ πιστεύσας 175,2 E πληθυντικὸν *l* ποιητικὸν 175,2 E προειπὼν *l* προειπ suprascripta lineola circumflexa

181,1—182,1 E Ἀΐεις] — μοι *l* om.

184,1 E Τόλμα ξεῖνος ἐπὶ ξείνης: *l* τόλμα ξεῖνος ἐπὶ ξείνης 184,2 E cum R τόλμα *l* cum L τολμᾶν 184,2 E φιλεῖ *l* φιλοῦ 184,3 Post μισεῖ *l* habet φι (suprascripto λ cum compendii nota) ἐκεῖνα

186,1—191,1 E Τέτροφεν] — ἐναντιώμεθα *l* om.

192,1 E Τοῦ ἰσοπέτρου, τοῦ κατ' ἴσον βεβηκότος τῷ πέτρῳ· βήματος δέ, ὅπερ L τοῦ ἰσοπέτρου. βήματος δὲ τοῦ κατ' ἴσον βεβηκότος τῷ πέτρῳ, ὅπερ Unde Dindorfius (II, 51) fecit: τοῦ ἰσοπέτρου βήματος, τοῦ κατ' ἴσον βεβηκότος τῷ πέτρῳ, ὅπερ. Atque hoc ipsum habet *l*, nisi quod post βήματος et ipse, ut L, inserit δέ, in quo ὅ ἐστι latere opinor. 192,2 E εἶπε χαλκοῦν οὐδόν L et R εἶχε χαλκὸν οὐδὸν *l* εἶπε λαχὴν ὀδόν 192,4 E Βήματος, τοῦ οὐδοῦ *l* βήματος τοῦ οὐδοῦ 192,5 E χαλκοῦν R χαλκός *l* χαλκ' 192,6—195,2 E Ἀντιπέτρου] — βέλτιον *l* om. 195,3 E Ἐπ' ἄκρου λάου: *l* ἐπ' ἄκρου λάου 195,5—6 E Ὅμηρος Λᾶος *l* cum L om. Suidas solum Ὅμηρος omisit (Dindorf. II, 51).

197,1 E Ἐμὸν — σε *l* om. 197,2 E ἡσυχίᾳ *l* om. 197,2 E ἐστι *l* ἐστιν 197,3 E τοῦτο, τὸ ἁρμόσαι *l* cum L τοῦ ἁρμόσαι Eadem corruptela utriusque codicis est in scholio ad v. 1665. 197,3—4 E τῇ καθέδρᾳ *l* τῆς καθέδρας

200,1 E Γεραιὸν *l* γεραι suprascripta compendii nota 200,2 E προκλίνας ἐς *l* ἐκκλίνας πρὸς Quod, cum in textu Sophoclis προκλίνας sit, fortasse praeferendum est. 200,2 E χέρα φιλίαν *l* χερ ἐφιλίαν 200,3 E ἤρτηται *l* εἴρηται Quod sine dubio praeferendum, cum nullum participium adsit, unde κλίνας suspensum esse possit. 200,3 E ἔσο *l* cum L ἔσω

203,1 E Ὅτε νῦν χαλᾷς: *l* ὅτε νῦν χαλᾷς 203,1 E εἴχεις *l* ἥκεις 203,2 E ἀντιτείνεις *l* ἀντιτάναις 203,3—204,1 E χαλᾷς] — ἔφυς *l* om.

205,1 E Τίς ὢν πολύπονος: *l* τίς ὢν πολύπ 205,1 E ἄγῃ ἀπὸ τῆς σῆς *l* ἀπὸ τῆς σῆς αγη 205,2 E πόλεως *l* πο suprascripto λ 205,2 E τίς *l* τί 205,2—207,1 E [Εἰς τὸ αὐτό.] — εἰμι *l* om.

207,2 E Ἀλλὰ μή: *l* ἀλλὰ μή 207,4 E μαθεῖν *l* παθεῖν 207,5 E cum R συμβάλλουσιν *l* cum L συλλαμβάνουσιν Quod restituendum erit. 207,7 E ἐπισήμων ὄντων τῶν *l* ἐπισήμ (suprascripta compendii nota) ὀν τ (suprascripto *a*)

212,1—218,1 E Δεινὰ φύσις] — εἰπεῖν *l* om.

220,1 E Λαΐου ἴστε τίν' ἀπόγονον: *l* Λαΐου ἴστε τίν' ἀπόγ Cum etiam in textu L habeat ἀπόγονον, videndum num injuria a Reisigio eiectum sit; cf. Meineke ad h. l. 220,2 E Οἰδίποδα *l* τὸν Οἰδίποδα 220,3 E ἐνοχλεῖν *l* cum L ὀχλεῖν 220,4 E ὅγε *l* ὅτε Utrumque corruptum videtur; fortasse οὗτοι. 220,5 E Θησέα *l* θοσέα 220,6 E ἀγνοοῦντα *l* ἀγνῶντα

223,1—225,2 E Δέος — με *l* om.

226,1 E Ἔξω πρόσω βαίνετε χώρας: *l* ἔξω πρόσω βαίνετε 226,3 E τοῦ *l* τὸ Quod recipiendum est. 226,5 E ἀντιτιμωρουμένοις *l* ἀντιμωρουμένοις

227,1—229,2 E Ἃ δ' — διά *l* om.

230,1 E Ἀπάτα δ' ἀπάταις: *l* ἀπάτα δ' ἀπάταις 230,1 E Ἡ δὲ *l* ἡ δ' 230,2 E παραβαλλομένη *l* περιβαλλομένη 230,2 E ἑτέραις *l* ταῖς ἑτέραις 230,2 E προαπατήσαντι *l* προαπαντήσαντι 230,3 E ἀνταδίδωσι *l* ἀποδίδωσι 230,6 E ἀνέχεται μιάσμασι *l* ἀνέχετε μιάσμασιν 230,7 E καὶ τό *l* om. 230,8 E ὁμώμοχ' (sic!) L ὁμώμοκεν *l* ὄμωκεν 230,8 E ἀνώμοτος *l* ἀνώχατος

231,1—234,1 E Παραβαλλομένα] — Ἀφορμηθείς *l* om.

237,1 E Ὦ ξένοι αἰδόφρονες: *l* ὦ ξένοι αἰδόφρονες 237,5 E οὐκ ἐν καιρῷ ἐστιν, ἀλλ' ἐν δυσπραγίᾳ *l* οὐκ ἐστὶν καιρῷ ἐστὶν ἀλλ' ἔνδο σπραγία 237,10 E ἀκούσαι *l* ἀκουσιαί 237,13 E Διδύμου *l* διδύμοις 237,13 E cum R ὀβελισθέν L ὀβελισθέντων *l* ὀβελισθέντ suprascripta lineola circumflexa 237,14—240,3 E Ἀλλ' — ἀπολογίαν *l* om.

243,1 E οὐ καλοῖς προσορωμένα: *l* οὐκ ἀλλοῖς προσορωμένα Idem habet cod. L in textu a prima manu teste Nauckio; teste autem Dindorfio habet οὐ καλαοῖς. Librarius igitur codicis *l* ad veram lectionem (οὐκ ἀλαοῖς) propius accedit, quam is, qui scholia in cod. L scripsit, quippe qui correctoris lectionem secutus sit. Cf. Dindorf. II. p. 51. 243,2—3 E Ὀφθαλμοὶ γὰρ ὀφθαλμοὺς αἰδεῖσθαι ποιοῦσιν *l* ὀφελιμοὶ γὰρ ὀφελίμ (suprascripto αι) δεῖσθαι ποιοῦσι

244,1—2 E Προσορωμένα] — δέομαι *l* om.

245,1 E Ὡς τῆς ἀφ' *l* ὦ γῆς ἀφ 245,2 E ἱκετείας *l* ἱκετείαις 245,3 E τις προσαγάγοι *l* προσάγοι

246,1 E Τὸ — κύρσαι *l* om.

250,1 E Ἐκ σέθεν ἄντομαι: Λείπει ἐκείνου *l* ἐκ σέθεν ἄντομαι Δι' ἐκείνου De Δι' cf. ad Trach. 663,1. 1261,1. 1280,1. 250,1 E ᾗ *l* om. 250,2 E ἐστί σοι *l* ἐστίν 250,3 E ὃ ἐκ σῆς *l* ὃ ἀσκῆς 250,3 E ἔστιν *l* cum R ἔνεστιν

252,1 E Οὐκ ἂν ἴδοις ἀναθρῶν: L οὐ γὰρ ἴδοις ἀναθρῶν (Dind. II, 51) *l* οὐ γὰρ ἴδοις ἀναρθρῶν 252,1 E τὸ ἑξῆς *l* τὸ ἑξῆς οὕτως 252,2 E ἀναθρῶν *l* ἀναρθρ suprascripta lineola circumflexa 252,2 E βροτῶν *l* βρότον 252,3 E ἄγοι *l* ἄγει

256,1 E Οὐ σθένοιμεν ἂν φωνεῖν: *l* οὐ σθένοιμεν ἂν 256,2 E Λέγομεν *l* λ suprascripta litera ο cum compendii nota 256,2 E τοῦτον *l* αὐτὸν

258,1 E Τί δῆτα δόξης: *l* τί δῆτα δόξης 258,2 E Ἀθηνῶν *l* Ἀθηναί suprascripta lineola circumflexa 258,2 E ὅτι ἄρα *l* cum R ὡς ἄρα 258,3 E εἴη *l* cum R ἂν εἴη 258,5 E τοῦ β̄ τῶν Αἰτιῶν L τοῦ β̄ τῶν Αἰτίων (Dind. II, 51) *l* τῶν δύο τῶν αἰτῖ De compendiis numerorum cf. ad Trach. 632,2. Oed. Col. 305. 330. 712. 1051.

261,1 E Ἐπεὶ — ἵδρυται *l* om.

263, 1 E μοι *l* μὴ 263,2 E ταῦτά ἐστι *l* ταῦτ' ἐστὶ 263,2 E 'Αθηνῶν *l* 'Αθηνῶν

264,1—266,1 E 'Εκ — δείσαντες *l* om.

267,1 E Πεπονθότ' ἐστὶ μᾶλλον: *l* πεπονθότ' ἐστὶ μᾶλλον 267,3 E Τὸ — δεδρακότα *l* om. 267,3 E Τοῦτ' ἐγὼ καλῶς ἔξοιδα *l* τοῦτ' ἐγώ· οἶδ' ὅτι μᾶλλον ἠδικήθην ἤπερ ἠδίκησα Quod scholion recipiendum est, cum non solum in cod. R, sed etiam in cod. L haec verba post ἔξοιδα legantur, quod testatur Dind. II, 51.

268,1—6 E Χρεῖα — ἦν L habet quidem hoc scholion sed a manu saeculi quarti decimi (Dind. II, 51) *l* om.

271,1 E "Ωστ' εἰ φρονῶν ἔπρασσον: *l* ὥστ' εἰ φρονῶν 271,2 E ἠμυνάμην *l* ἠμυνώμην 271,3 E ὥστε *l* om. 271,3 E δύο *l* δύο δέ 271,4 E βοηθεῖ *l* μοι βοηθεῖ 271,4 E ἀμύνασθαι *l* ἐμύνασθαι

272,1—273,1 E "Επρασσον] — ὁδόν *l* om.

277,1 E Καὶ μὴ θεοὺς τιμῶντες: *l* καὶ μὴ θεοὺς 277,2 E φησὶ *l* φὰ adscripta compendii nota 277,2 E καὶ γνώμῃ θεοῦ *l* om.

280,1 E Φυγήν] "Εκφευξιν *l* om.

281,1 E Μήπω γενέσθαι φωτός: *l* μήπω γενέσθαι 281,1 E λέγειν *l* om. 281,3 'Ανόσιον *l* ἀνοσίου 281,4 E δικαιότατος L δικαιότατον *l* δικαιώτατα

282,1 E Ξὺν οἷς σὺ μὴ κάλυπτε: *l* ξὺν οἷς σὺ 282,2 E περικαλύψῃς *l* περικαλύψεις 282,4—287,1 E Ξὺν — Καθαρός *l* om.

287,4 E cum R et *l* παρ' 'Αθηναίοις L παρ' 'Αθηναίους 287,5 E ἂν *l* om. 287,6 E ὑπὸ Θηβαίων L ὑπὸ θῶν *l* ὑπὸ θῶ R ὑπὸ θεῶν

292,1 E Εἶπεν — 'Αθήνας *l* om.

293,1 E Λόγοισι γὰρ οὐκ ὠνόμασται: *l* λόγοισι γὰρ οὐ 293,2 E ἐνθυμήματα *l* ἀθυμήματα 293,3 E μὲν *l* μου Quae lectio sine dubio recipienda est.

294,1—305,1 E Βραχέσι] — πανταχοῦ *l* om.

305,2 E Εἰκὸς *l* τῶν ἐκεῖνος· εἰκὸς Lemma igitur ad versum 304 pertinens restituendum est. 305,2 E ἐστιν *l* om. 305,4 E Τῷ γὰρ χορῷ πρώτῳ ὡμολόγησεν *l* ἀλλὰ α (suprascripto τῳ) τῷ χορῷ De α cf. ad Trach. 632,2. Oed. Col. 258,5. 489,12. 305,6—309,2 E Πολὺ — χρήσιμος *l* om.

310,1 E 'Η 'Ισμήνη *l* γυναῖχ' ὁρῶ· ἡ ἰσμίνη Lemma igitur recipiendum est. 310,2 E ἀπαγγέλλουσα *l* ἀπαγγέλουσα

312,1—3 E 'Ημῶν] — μεγάλης *l* om.

313,1 E 'Ηλιοστερής: Σκιαστική *l* ἡλιοστερής: σκιαστική 313,1 E Πλατύ—

πίλος *l* πλατόπιλος 313,2 E αὐτῆς *l* τῆς 313,2 E ἀφαιρουμένη *l* ἀφεροομένη 313,3 E δὲ *l* om.

314,1 E πρόσωπα Θεσσαλίς: *l* πρόσωπον θεσσαλικοὶ 314,2 E Θεσσαλικοὶ *l* θεσσαλῶν 314,4 E μεμβλωκὸς *l* μεμβλοκὸς 314,4 E πέτρου *l* πέτρα 314,5 — 330,1 E Κυνῇ] — Ἀντιγόνης *l* om.

330,2 E Ἐμοῦ τρίτης] *l* δυσμόρου δ᾽ ἐμοῦ γ᾽ Plenius hoc lemma restituendum est; γ᾽ est τρίτης cf. ad v. 305,4. 258,5. 330,3 E περιλαμβάνουσιν *l* περιλαμβάνουσι 330,4 E δὲ *l* ἐστὶν 330,5 E πρὸς *l* cum R καὶ 330,5 E ὑπήντηκεν *l* ὑπήντηκε

332,1—336,2 E Σῇ — ἐστίν *l* om.

337,1 E Ὦ πάντ᾽ ἐκείνω: *l* ὦ πάντ᾽ ἐκείνω 337,2 E διαιτωμένους *l* διαιτώμενα 337,3 E Νυμφόδωρος *l* νῦφόδωρος 337,3 E τῷ ιγ *l* τριςκαιδεκάτῳ Vix igitur probabile est, pro ιγ scribendum esse γ, quod commendabat Dindorf. II, 52. 337,4—5 E Ἔθεσι — Ἕλλησι *l* om. 337,7 E cum R καὶ ἡμῖν *l* cum L ἡμῖν καὶ 337,9 E οἰκονομοῦσιν *l* οἰκοδομοῦσιν 337,12 E ὑφαίνουσιν *l* ὑφαίνουσι 337,12 E ἐκθηλῦναι R ἐκθηλύναι *l* cum L ἑλκυσθῆναι 337,13 E γεγενημένους *l* γεγενημ suprascripta litera ά cum compendii nota 337,14 E συστραφέντες *l* συντραφέντες 337,17 E στερηθέντες L στερηθέντες ἀσμένως *l* ἀσμένως στερηθέντες 337,17—18 E τὴν ψυχὴν *l* τῆς ψυχῆς 337,19 E καταμένωσιν *l* om. 337,22 E cum R ἠνάγκασε *l* ἠνάγκασεν L ἀναγκάσαι 337,24 E τὰς *l* cum R τοῖς 337,25 E αὐτῶν *l* αὐτοῖς

340,1—349,1 E Αἳ δὲ — Ἀνυπόδητος *l* om.

354,1 E Μαντεῖ᾽ ἄγουσα: *l* μαντεῖ᾽ ἄγουσα 354,1 E ὅπου ἂν L et R ὅπου δ᾽ ἂν (cf. Dind. II, 53) Ex *l* nullam varietatem enotavi. 354,2 E ἐκείνῃ *l* in rasura ἐκείῃ

362,1—363,1 E Τὸ — ἀλγεῖν *l* om.

367,2 E Κρέοντι *l* κρέατι 367,2 E παραχωρῆσαι *l* πχωρῆσαι compendii nota suprascripta supra χ 367,3—375,1 E Κρέοντι — Πολυνείκῃ *l* om.

378 E Πολλαχοῦ *l* τὸν κοῖλον· πολλαχοῦ Lemma igitur τὸ κοῖλον recipiendum est. 378,2 E Ἐπιγόνοις *l* Ἀντιγόνῃ Cf. Nauck fr. trag. p. 144. 378,3 E cum *l* κατοικήσαντ᾽ ἔτι L κατοικήσαντα ἔτι 378,4 E cum R Θαμύρᾳ *l* cum L θαμυρία 378,6 E κοίλῳ *l* κοῖλον

380,2 E οὐρανὸν *l* ὄυνον suprascripta linea 380,2 E cum R βιβῶν *l* βϊων L βιῶν 380,3 E τιμωρίᾳ *l* τιμωρίαν 380,6 E ῆ *l* ἢ 380,7 E [ὡς] αὐτίκα *l* om. 380,7 E τιμῇ *l* om. 380,8 E πρὸς οὐρανὸν βιβῶν [ἢ] ὑψώσων τῇ εὐκλείᾳ *l* ὑψώσων τῇ εὐκλείᾳ πρὸς ὄυνὸν (suprascripta linea) βιῶν Iam Dindorf. II, 53 ἢ ab Elmsleio

additum delendum esse dixit. 380,9 E cum R παρθησόντων *l* cum L παρθησάντων 380,10 E γενησομένων R γεγνησομένων *l* cum L γινομένων. Fortasse παρθησάντων et γινομένων retinendum est inserta particula ἂν ante Ἀργείων 380,11 E οὐρανὸν *l* δονὸν suprascripta linea 380,12 E ἤγουν *l* ἢ 380,13 E Ἄλλως *l* ἄλλεως Quod fortasse recipiendum est.

382,1—386,1 E Ταῦτ' — Φροντίδα *l* om.

388,1 E Ποίοισι τούταις: *l* ποίοισι τούτοις 388,3 E πρόσθηται *l* γένηται 388,4 E [καὶ] *l* om. 388,6 E μαρτυρίῳ *l* cum R μαρτυρίᾳ 388,7 E συγγραφέως *l* cum R συγγραφέως τινὸς

390,1 E Εὐνοίας χάριν: *l* εὐνοίας χάριν 390,2 E εὐσοίας χάριν *l* om. 390,3 E ὑπομνηματισάμενοι ἀξιοῦσιν *l* ὑπομνηματευσάμ (suprascripto οι) ἀξιοῦσι 390,3—4 E Εὔσοιαν — Ἀμφιτρύωνι *l* om. 390,5 E Ἐπεὶ *l* ἐπὶ 390,6 E εὔσοιαν *l* εὐνοίαν 390,7—392,1 E [Εἰς τὸ αὐτό.] — Δύναμιν *l* om.

395,1 E Γέροντα δ' ὀρθοῦν: *l* γέροντα δ' ὀρθοῦσθαι 395,3—401,1 E Φλαῦρον] — οἰκοῦντος *l* om.

402,1 E Κείνοις ὁ τύμβος: *l* κείνοις ὀκτυμ

403,3 E πέπαιγμαι *l* παίπαιγμαι

404,1—405,1 E Προσθέσθαι] — Θήβης *l* om.

405,2 E ἵν' ἂν *l* ἵνα ἂν 405,3 E Λείπει *l* λει suprascripto π

406,1—409,1 E Κατασκιῶσι] — σε *l* om.

410,2 E Ἐρινύων *l* ἐριννύων

413,1—415,1 E Παρὰ — θεωροί *l* om.

422,1 E Ἐν μηδενὶ *l* ἐν δ' ἐμοὶ τε (suprascripto λ)· ἐν μηδενὶ Lemma igitur ἐν δ' ἐμοὶ τέλος scholio praefigendum est. 422,1 E αὐτοῖς *l* om. 422,1 E ἀποβαίη *l* ἀποβαίνει

424,1 E Κάπαναιροῦνται] — ἐπαίρουσιν *l* om.

425,1 E Εἰ *l* ὡς οὔτ' ἄν· εἰ Lemma igitur recipiendum est.

430,1 E Αὐτοῖν ἐπέμφθην: *l* αὐτὸν ἐπεμφθ· 430,2 E ἐφ' αὑτοῖς *l* ἐφ' ἑαυτοῖς

431,1 E Θέλοντι] Τὸ ἐξορισθῆναι *l* om.

436,1 E Τούτου *l* οὐδεὶς ἔρωτ· τούτου Lemma igitur οὐδεὶς ἔρωτος scholio praefigendum est.

437,1 E Πέπων] — πέπειρος *l* om.

438,1 E Ὅτε *l* κἂν μαν· (suprascripto θ cum compendii nota) ὅτε Lemma igitur κἀμάνθανον scholio praefigendum est. 438,1 E πέφαντά με τὸν θυμόν *l* cum L πέμφαντά με

443,1 E Οἷον *l* ἀλλά που σμικραῦ λόγου· οἷον Praefigendum est igitur hoc lemma scholio. Cum autem insignem varietatem lectionis praebeat pro ἀλλ' ἔπους μικροῦ χάριν, eamque, quae cum cod. L lectione ἀλλέπου σμικροῦ χάριν in σμικροῦ consentiat, cum praeterea vocabuli ἔπος Sophocles non utatur nisi nominativo vel accusativo, cum denique in clausula versus sequentis neque ἀεί codicis L neque ἐγώ codicum deteriorum probandum sit (cf. Nauck et Meineke ad h. l.), videndum est, num Sophocles scripserit: ἀλλά που σμικροῦ λόγου | φυγάς σφιν ἔξω πτωχὸς ἠλώμην χάριν. Cf. Ai. 1268. El. 415. Oed. Col. 569. 620.

448,1—452,1 E Τὼ δὲ] — ἐγῷδα *l* om.

457,1 E Εἰ ὑμεῖς *l* ἐὰν γὰρ ὑμεῖς· εἰ ὑμεῖς Lemma igitur recipiendum est. 457,1 E cum L συμβάλησθέ μοι ἑαυτῶν συμβάλλεσθε R συμβάλλεσθέ μοι ἑαυτοῖς συμβάλλεσθε *l* συξάλεσθε μοι ἑαυτοῖς συνμάλλεσθε Aut igitur lectio editionis Romanae accipienda est, aut scribendum συμβαλεῖσθέ μοι ἑαυτοῖς συμβάλλεσθε. 457,4 E πολιορκουμένοις *l* πολιορκουμένων 457,5 E Πελοποννησιακὸν πόλεμον *l* πελοποσιακὸν 457,6 E πεπλάσθαι *l* πέπλωσθαι 457,7 E θεραπείᾳ *l* θεραπείω 457,7 E τραγικοὶ *l* τραγισμοὶ 457,8 E πατρίσιν *l* πρασῖ suprascripta compendii nota supra πρ

462,5 E πως εναγὴς *l* πᾶς ἂν γῆς Ceterum totum hoc scholion in *l* postpositum est scholio v. 465.

465,1 E Ὡς φῂς *l* ὡς νῦν· ὡς φῂς Lemma igitur ὡς νῦν scholio praefigendum est. 465,1 E πάρεχε *l* πάρεχε μοι 465,2—5 E [Εἰς τὸ αὐτό.] — Λέγε *l* om.

467,1 E Καὶ κατέστεψας: *l* cum L καὶ κατέστιψας 467,1 E ἱκετηρίων *l* οἰκετηρίων 467,2 E cum R κατέστειψας *l* cum L κατέστιψας 467,2 E οἷον κατεβάτευσας *l* καθικετεύσας μετὰ οἰκετηρίων 467,5 E τῶν σεμνῶν *l* τῶν θεῶν 467,6—7 E Κατέστειψας] — ἀφηγοῦ *l* om.

469,1 E Πρῶτον μὲν ἱερᾶς: *l* πρῶτον ἱερέας 469,2 E ἄρυσαι *l* ἀρύσας 469,2 E ταῖς θεαῖς *l* om.

471,1 E Ἀντὶ — πράξω; *l* om.

472,1 E εὔχειρος *l* εὔχειρον 472,1 E Δαίδαλον *l* δέδαλον 472,2 E οὕτω *l* οὕτως 472,2 E Μητίνῳ *l* μητίμω 472,3 E τῷ Ἐρεχθέως *l* om. 472,3 E Ἰφινόῃ *l* ἰφῖνὸν 472,4 E cum R Δαιδαλίδαι *l* cum L δαιδαλίδα 472,5—6 E Εὔχειρος] — μετάληψιν *l* om.

473,1 E Καὶ λαβὰς ἀμφιστόμους: *l* καὶ λαβὰς ἀμφι: suprascripto Δ' 473,2 E δὲ *l* om. 473,2 E τὰς *l* τὰ 473,6—475,1 E Λαβάς] — νέας *l* om.

475,2 E Οἰοπόχῳ μαλλῷ: *l* οἰοπόχῳ μαλακόν Cod. L in textu habet οἰνοπόχῳ 475,3 E στέμματα *l* στέμματ' 475,3 E καὶ *l* om. 475,4 E Ὦ *l* ὢ 475,4 E ἐπέκλωσεν *l* ἐπέκλωσεν θεά Plenus igitur versus Eurip. Orest. 12 restituendus est. 475,5 E Λαβών] — στέφον *l* om.

477,1 E Χοὰς χέασθαι πάντα πρὸς ἕω: *l* χοὰς χέεσθαι 477,1—2 E τὴν ἀνατολὴν *l* τὰς ἀνατολὰς 477,2 E ἐκθύσεις *l* ἐκχύσεις Cum apud Plutarch. Marcell. cap. 28 in libris sit ἐκχύσεις, lectio autem ἐκθύσεις tacitae debeatur Reiskii coniecturae, sine dubio et apud Plutarchum et apud scholiastam ἐκχύσεις retinendum est. 477,3 E Ἠλέκτρᾳ *l* ἤλεκτρον 477,5 E δείκνυσι *l* δείκνυσ 477,6 E τοὺς καθαρμοὺς *l* τὸν καθαρὸν 477,6—7 E πρὸς τὴν ἕω ἵστανται *l* πρὸς ἥλιον ἵσταντες 477,8—479,3 E καὶ λάμβανε — κρατῆρα *l* om.

481,1 E Ὕδατος, μελίσσης: *l* ὕδατος μελίσσης 481,4—7 E [Εἰς τὸ αὐτό.] — θεαί *l* om.

482,1 E γῇ: *l* om. 482,2 E ἐπὶ γῆς *l* ἐπὶ τῇ γῇ

483,1 E Τρὶς ἐννέα: *l* τρὶς ἐννέα

485,1—2 E Ἡδέως — μαθεῖν *l* om.

486,1 E σφᾶς *l* φᾶς 486,2 E καξευμενῶν *l* καὶ ἐξευμενῖ suprascripta lineola circumflexa Fortasse igitur καὶ ἐξευμενίζων scribendum est. 486,3 E ἵλεως *l* ἵλεος 486,3 E τὸν ἱκέτην *l* τὸν ξένον 486,5 E cum R ἐξ ἐπιπολῆς L ἐξεπιστο suprascripto λ *l* ἐξ ἐπιστοῦν 486,5 E ἀλλ' ἐνδιαθέτως *l* ἀλλὰ ἐνδιωθέτερον

488,1 E Αἰτοῦ] — ποιείτω *l* om.

489,1 E Ἀνήκουστα *l* ἀνίκουστα 489,2 E καὶ *l* om. 489,3 E Εὐμενίσι *l* ἐνμαίϊσι 489,4 E δρῶσι *l* δρῶσιν 489,4 E ἀπὸ Ἡσύχου θύουσιν *l* ἀπὸ ἡσυχίας θύσουσιν 489,5 E Πολέμων ἐν τοῖς πρὸς Ἐρατοσθένην *l* πολέμω ἐν (suprascripto τ) ϵ' (est nota praepositionis πρός, quam ad vers. 330 scholiasta in καὶ solverat; cf. ibid. Elmsleius) ἐρατοσθένης 489,6 E Τὸ *l* om. 489,6 E εὐπατριδῶν *l* εὐπρίδων 489,7 E πομπῆς *l* πεμπτῆς 489,8 E παρὰ *l* περὶ Quod fortasse praeferendum est. 489,9 E πρὸ τῆς *l* πρὸς τῆς 489,11 E εὐφημίαν *l* εὐφημίας 489,11 E Οὔ τὸ *l* οὔ τοι 489,11 E ἐστι *l* om. 489,12 E τὸ *l* om. 489,12 E ἐννέα *l* θ 489,13 E Ἀπολλόδωρος *l* ἀπολλοδώρου 489,15 E ὅμπας *l* cum L ὅπας 489,16 E λήτειραι *l* λείτειραι 489,16 E ἔλλαχον *l* ἔλαχον 489,16 E Ἡσυχίδες *l* ἡσυχί suprascripto Δ

491,1—492,1 E Δράσαντι] — καθαρθέντι *l* om.

495,1 E Οὐχ ὁδωτά: *l* οὐχ εἰδότας 495,1 E ἀνυστά *l* ἀνϊστά

497,1 E Σφῷν δ' ἡτέρα: *l* σφῶϊν δ' ἡτέρα 497,2 E cum *l* ἄλλῳ L ἄλλως R ἄλλους

499,1—503,2 E 'Εκτείνουσαν] — εἰδείην *l* om.

504,1 E Χρῆσται *l* χρείσται 504,2 E cum L συναλιφὴν *l* συναλοιφὴν 504,3 τὸ *l* τῶ Scribendum est igitur δηλοῦται δὲ ταυτὸν τῷ δεήσει

505,1 E Τοῦ κεῖθεν ἄλσους: *l* τοῦ κεῖθεν ἄλσα 505,3 E Σπάνιν *l* σπάνις 505,4 E εἴ τι — ἀγνοεῖς *l* ἤ τι — ἀγνοῆς Scribendum est ἤν τι — ἀγνοῇς

508,1 E Τοῖς τεκοῦσι γάρ: *l* τοῖς τεκοῦσιν γρ cum compendii nota

510,1 E Δεινὸν μὲν τὸ πάλαι: *l* δεινὸν μὲν τὸ πάλαι 510,2 E ἐπεγείρειν *l* ἐπιγει suprascripto P′ 510,3 E μὲν *l* μέρος 510,6 E δάκροον *l* δώδρϋον

513,1 E Τί - πυθέσθαι *l* om. 513,2 E ἀπόρου *l* ἀπο suprascripto K 513,2 E περὶ *l* π suprascripto E 513,3 E σοι *l* δσοι

515,1 E πρὸς *l* πρὸ 515,1 E Μὴ πρὸς τῆς σῆς ξενίας *l* om. 515,2 E οὕτω *l* cum L et R οὐ 515,5 E ἀναπτύξαι *l* ἀναπτῆξαι

517,1 E Τό τοι πολύ: *l* τὸ λοι suprascripto π' 517,1 E ἀδιάλειπτον *l* διάλειπτον 517,2 E πήρωσιν *l* πλήρωσιν

519,1 E Στέρξον ἱκετεύω: *l* στέρξον ἱκετεύω 519,2 E ἐστι *l* ἐστϊν

520,1—524,1 E Κἀγὼ — πράγματα; *l* om.

525,1 E Οὐδὲν ἴδρις] *l* οὐδὲν ἴδρις Etiam in textu L habet ἴδρις, quod recte mutarunt editores in ἴδριν 525,2 E ἐνέδησέ με *l* ἐνεδήσει 525,3—537,1 E Ἴδρις] — πλῆθος *l* om.

539,1 E 'Εδεξάμην δῶρον: *l* ἐδεξάμην δῶρον 539,3 E μήποτε *l* μήποτ' 539,4 E παρὰ *l* περὶ 539,5 E οὕτως εἴρηκεν *l* οὐ εἴρηκε

547,2 E ἤ, ὡς ἄλλους *l* ἢ ως ὡς ἄλλον 547,3 E οὕτως *l* cum R οὕτω

551,1 E Πολλῶν ἀκούων: *l* πολλῶν ἀκούων 551,2 E καὶ ἔχει *l* καὶ εἰ ἔχει

558,1—583,2 E Προστροπήν] — βίου *l* om.

585,1 E 'Ενταῦθα γάρ μοι κεῖνα: *l* ἐνταῦθα γάρ μοι 585,2 E ὠφεληθήσεσθαι *l* ὠφεληθήσεται 585,3 E παρ' ἐμοῦ *l* cum R ὑπ' ἐμοῦ

586,1—2 E Βραχὺ — σε *l* om.

602,1 E Πῶς δῆτά σ' ἄν] *l* πῶς δῆτ' ἂν ἂν 602,2 E ἔστι *l* ἔστιν 602,3 E ὁ δὲ *l* οἱ δὲ

605,1—2 E Τῇδε — πληγῆναι *l* om.

619,1 E Τὰ νῦν ξύμφωνα] *l* ἐν αἷς τὰ νῦν Lemma igitur ἐν αἷς τὰ νῦν praefigendum est scholio.

623,1 E Σαφής] *l* φοῖβος σαφής Hoc igitur lemma recipiendum est, nisi maiore etiam iure verba χῶ Διὸς φοῖβος σαφής, quae *l* post ἀληθής inserit, pro lemmate habenda sunt. 623,2 E ὡς καὶ *l* καὶ

624,1 E Τάχίνητα] — ἄρρητα *l* om.

630,1 E Ἐφαίνετο] *l* ὡς τελῶν ἐφαίνετο Hoc igitur lemma recipiendum est. 630,1 E Ἀνεφαίνετο *l* om. 630,3 E εἴρετο *l* ἤρετο Apud Hom. A 513, unde verba illa petita sunt, legitur εἴρετο.

632,1 E Τοιοῦδε] — φίλου *l* om. 632,2 E Δορύξενος] *l* ἡ δορύξενος Hoc igitur lemma recipiendum est. 632,2 E Φίλος. [Εἰς τὸ αὐτό.] *l* om. 632,2 E Ἁπλοϊκώτερον *l* ἁπλοικάτρ 632,3 E τοὺς *l* τὰ 632,4 E ἐπιτατικῶς *l* cum L et R ἐπιστατικῶς 632,4 E cum *l* φίλη L φίλοι R φίλους

636,1 E Οὐπότ᾽ — [Εἰς τὸ αὐτό.] *l* om. 636,2 E Οὐκ ἐκβάλλω *l* χώρα· οὐκ ἐβάλω Scholion igitur ad v. 637 pertinet et lemma χώρᾳ praefigendum est.

638,1—639,2 E Σὲ] — βούλει *l* om.

647,1 E Εἰ *l* μέγ᾽ ἂν λέγεις· εἰ Lemma igitur μέγ᾽ ἂν λέγοις recipiendum est. 647,2 E λέγοις *l* εὕρης Scribendum est igitur εὕροις aut εὕρημα λέγοις; ex lectione εὕρης certe colligi potest, δώρημα, quod nunc in textu et in scholio legitur, esse glossema vocabuli rarioris εὕρημα.

648,1 E Εἰ σοί — ἐπαγγελθέντα *l* om.

650,1 E Πιστώσομαι] — παρακελεύσω *l* om.

651,1 E Τούτου τὸ *l* οὔκουν περ ἄγαν· τοῦτο Lemma igitur οὔκουν πέρα γ᾽ ἂν recipiendum est. 651,2 E με *l* om. 651,2 E λόγῳ *l* λόγον

652,1—653,1 E Ὄκνος] — Χοροῦ *l* om.

655,1 E μοι *l* om. 655,2 E ὑπὸ δέους *l* ὑποδέξιος 655,3 E ταυτὰ *l* ταῦτὰ R ταῦτα 655,4 E Οὐκ — δέδοικεν *l* om.

658,1—2 E πολλοὶ ἄνθρωποι πολλὰ ἀπειλήσαντες *l* πολλοὶ ἀθυμήσαντες 658,2 E πέφαντες *l* πέμφαντες

661,1—662,2 E Τούτοις] — ἐπανόδου *l* om.

663,1 E Οὐδὲ] πλώσιμον: *l* οὐδὲ πλάσιμον 663,1 E δεδοίκασι *l* cum L δεδώκασι 663,2 E ἡμᾶς *l* ἡμεῖς L ἡμῖν

668,1 E Μέχρι *l* μάλιστα ἀηδών· μέχρι Lemma igitur μάλιστ᾽ ἀηδὼν recipiendum est. 668,2 E τὸ *l* τὸν 668,3 E ἀπαντῶντος *l* ἀπαντώντων 668,5—671,1 E Ξένε] — Ἄιδει *l* om.

674,1 E Ἀνέχουσα] *l* τὸν οἰνῶπ᾽ ἔχουσα· Cum in textu L habeat τὸν οἰνωπ᾽ ἀνέ-

χρόα, lemma recipiendum est τὸν οἰνῶπ' ἀνέχουσα 674,1 E Ὡς *l* καὶ 674,3 E Ἄκουε δ' ἂν οὖς ἔχων *l* ἄκουε δ' ἂν οὖς ἔχων 674,4 E [Εἰς τὸ αὐτό.] — φυτόν *l* om.

676,1 Φυλλάδα μοριόκαρπον: *l* φυλλάδα μυριόκαρπον 676,1 E Παρὰ *l* περὶ 676,2 E ἄρ' *l* om. 676,3 E μιν L μὴν R μὲν *l* μ suprascripta compendii nota 676,3 E ἀκτῖσιν *l* ἀκτῖσι 676,3 E ἔβαλλεν *l* ἐμβ; L ἐμβ suprascripto α 676,5 E Φύλλων *l* cum L et R φυτῶν Quod retinendum erit. 676,6 E Ἀνήλιον] — δάσος *l* om.

681,1 E Θάλλει δ' οὐρανίας ὑπ' ἄχνας: *l* θαλλ· δ' οὐνιας ὑπ' ἄχνας suprascripta lineola supra οὐνιας 681,2 E γρ. *l* γὰρ 681,3 E [οὐ] *l* om. 681,3 E φασὶν *l* φῆ 681,3 E νάρκισσον *l* νάρκισον 681,4 E στεφανοῦσι *l* στεφανῶσι 681,5 E θεᾶν, τῶν Ἐρινύων *l* θεῶν τῶν ἐρϊννύων 681,6 E ὅτι δὲ Ἐρινύων ἐστὶ *l* ὅτι δ' ἐνριννύων δ' ἐστιν 681,7 E ἐν οἷς *l* ἐμοῖς 681,8 E οἶμον *l* οἶμαι 681,9 E ἐπιστεφέες *l* ἐπιστεφέας 681,10 E πλοκαμῖδας L πλοκαμι suprascripto δ *l* πλοκαμίδες 681,11 E ὡς τὸ *l* cum L ὥς τε 681,14 E αὐταῖς *l* αὐτοῖς 681,14 E τὸν *l* τὸ 681,15 E ἀρχαῖον *l* ὀρχαῖον 681,16 E ἀντὶ τοῦ εἰπεῖν *l* om. 681,18 E ἐτέρπετο *l* ἐτερόπετο 681,19 E νάρκισσον *l* νάρκισον 681,19 E ἁρπασθῆναι *l* cum L om. 681,20 E τούτου *l* τοῦτον 681,23 E θεσμοφοριαζούσαις *l* θεσμοφορίαις οὐς 681,23 E ἀνθινῶν *l* ἀνίνων L ἀνοίνων 681,25 E μυῤῥίνην *l* μυρίνην 681,28—29 E τὴν Δήμητρα *l* τῆ δημη suprascriptis literis τρ cum compendii nota R τῇ Δήμητρι 681,30—683,2 E Ἄχνας] — Ἐρίνυσιν *l* om.

684,1 E Ὅ τε χρυσαυγὴς κρόκος: *l* ὅ τε χρυσαυγὴς κραί κρο suprascriptis compendii notis supra αι et ο 684,5 E Δήμητρος *l* Δημητρίων 684,7 E cum *l* τὴν Δήμητρα L τῇ Δήμητρι 684,7—687,1 E [Εἰς τὸ αὐτό.] — ποταμοῦ *l* om.

687,2 E νομάδες *l* ὀνομάδες 687,3 E ἐπινεμόμεναι *l* ἐπινενόμεναι 687,3 E καταῤῥέουσαι *l* καταρέουσαι 687,4 E Κηφισὸς *l* κιφισσὸς 687,4 E λέγοι *l* om.

688,1 E ἤματι *l* ἤμασι 688,2 E ἐπινίσεται *l* cum R ἐπινίσσεται 688,2 E Κηφισὸς *l* κηφῒ

689,1 E Ὠκυτόκος] Ὁ ποταμός *l* om.

691,1 E τῷ *l* cum L τὸ 691,1 E γονίμου *l* γόνι 691,2 E τοῦ πεδιούχου χθονός *l* πεδίου χθονός 691,3 E στέρνα *l* φρένα 691,3 E τῆς γῆς *l* cum R om. 691,4—692,1 E [Εἰς τὸ αὐτό.] — Ἀττικήν *l* om.

698,1 E Φύτευμ' *l* φύτευγ' 698,1 E μορίων *l* χορίων 698,3 E ὥστε *l* ὥστε ὥστε 698,4 E γὰρ *l* ἢ 698,4 E ἐμβαλόντες *l* ἐμβάλλοντες 698,5 E δέκα *l* cum

L id compendium exhibet quo καὶ exarari solet 698,5 E μυριάσι *l* μυριάσ 698,5 E Πελοποννησίων *l* πελοπονησοῖ 698,6 E Ζευξιδάμου *l* τευξιδάμοο 698,8 E Ἀθηνᾷ θύσαντες L ἀθηναν θησαντες *l* Ἀθηνᾶν θήσαντες Schneidewinus correxit Ἀθηνᾶν δείσαντες, v. Dind. II, 55. 698,9 E Δαΐων] Πολεμίων *l* om.

701,6 E ἔνιοι δὲ κλάδον ἀπὸ τῆς ἐν Ἀκαδημίᾳ ἐλαίας, ἀπὸ τῆς ἐν ἀκροπόλει φυτευθῆναι φασίν *l* εἶναι δὲ κλάδον ἐλαίας ἐν τῇ ἀκαδημία ἀπὸ τῆς ἐν ἀκροπόλει φυτευθῆναι φασίν Cum εἶναι, quod etiam L et R habet (Dind. II, 55), sine dubio recte ab Elmsleio in ἔνιοι correctum sit, scribendum erit ἔνιοι δὲ κλάδον ἐλαίας ἐν τῇ Ἀκαδημίᾳ ἀπὸ τῆς ἐν ἀκροπόλει φυτευθῆναι φασίν 701,8 E ἐμβαλόντας *l* ἐκβάλλοντας 701,8 E ἐκκόψειε *l* ἐκκόψεις 701,9 E τὴν λοιπὴν *l* τὴν μὲν λοιπὴν 701,10 E δῃοῦντες *l* δεοῦντες 701,11 E τῶν δὲ μορίων *l* καὶ τῶν μϋρίων 701,12 E ἐλαίου *l* ἐλέου

702,1—705,1 E Τὸ — τόπου *l* om.

705,2 E Μορίου Διός: *l* μορίου Διός 705,2 E εἶπεν *l* εἶπε 705,3 E ἐλαιῶν L ἔλασον *l* ἔλασσον R ἐλαῶν 705,4 E [περὶ Ἀκαδημίαν] *l* cum L om. 705,7 E τὸ *l* om. 705,7 E ἱερὸν ἱδρυμένων *l* ἱδρυμένον ἱερόν

711,1 E Εὔιππον] *l* εὔιππον εὔπω suprascripto λ Lemma igitur εὔιππον εὔπωλον recipiendum est. 711,1 E Κολωνὸς *l* κωλωνος 711,2 E Ἵππιοι *l* ἵππιος

712,1 E Ὦ παῖ Κρόνου: *l* ὦ παῖ Κρόνου 712,1 E πρῶτον *l* α cum compendii nota Cf. ad v. 305. 712,3 E τῶν οἰκείων *l* τῆς οἰκίας R τῆς οἰκείας 712,4 E ὠνομάσθη *l* ὀνομάσθη 712,5 E διὰ *l* καὶ R κατὰ 712,6 E καταχρώμενος ἀδείᾳ *l* καταχρόμενος ἀδεία 712,6 E Περὶ *l* πρώταισι ταῖσδ' ἐκτίσας· περὶ Lemma igitur, quod petitum est ex versu 715, ad quem scholion hoc in cod. L adscriptum esse testatur Dindorfius (II, 55), recipiendum est; cod. L in textu et ipse ταῖσδ' ἐκτίσας exhibet, quod correxerunt editores in ταῖσδε κτίσας. 712,7 E τρία *l* γ suprascripta linea Cf. ad v. 330,2.

717,1—718,2 E Πλάτα] — εἰσίν *l* om.

720,1 E Ὦ πλεῖστ' ἐπαίνοις] *l* ὦ πλεῖστ ἐπα· suprascripta compendii nota 720,1 E Ἀντιγόνη *l* ἀντι suprascripta compendii nota 720,2 E ὁρῶσα *l* ὁμῶσα 720,3 E Οἰδίπουν *l* οἰδίποδα 720,4 E παρασπᾶται *l* cum L περισπᾶται

726,1—731,2 E Εἰ — φοβεῖσθε *l* om.

738,1 E Οὕνεχ' ἧκέ μοι γένει] Ἀντὶ *l* τὰ τοῦδε πουθεῖν· ἀντὶ Lemma igitur recipiendum est τὰ τοῦδε πενθεῖν, quae verba ex versu 739 petita sunt.

741,1 E Ἴκου] Ἐλθὲ *l* om.

742,1 E Ἐκ δὲ τῶν] Ἐγὼ *l* ἐκ δὲ τῶν μάλιστ' ἐγώ· ἐγὼ Lemma igitur recipiendum est.

746,1—2 E Κἀπὶ — Ἰσμήνη *l* om.

755,1 E Ἀλλ' οὐ γάρ ἐστι] *l* ἀλλ' οὐ γάρ ἐστιν

761,1 E Ὦ πάντα τολμῶν] *l* ὦ πάν· 761,2 E βουλευόμενε *l* βουλόμενος

763,2 E οὕτω *l* οὕτως

768,1 E Μεστός] Ὡς *l* ἀλλ' ἡνίκα· ὡς Lemma igitur ἀλλ' ἡνίκ' ἤδη recipiendum est. 768,2 E ἐβουλευόμην *l* ἐβουλόμην

769,1—773,1 E Τοὐν — Ἀττικόν *l* om.

775,1 E Καί τοι τις αὐτῇ] *l* καί τοι

781,1—785,1 E Τοιαῦτα] — ἀγροῖς *l* om.

785,2 E Πόλις δέ σοι] *l* πόλις δέ σοι 785,2 E ἡ Θήβη ἀβλαβὴς *l* cum R αἱ Θῆβαι ἀβλαβεῖς 785,3 E ἔσται R ἔσωνται *l* ἔσονται 785,3 E Ἄναιτος *l* ἀνίατος

787,1 E Οὐκ — σκοπός *l* om.

791,1 E Ἄρ' οὐκ ἄμεινον] *l* ἄρ οὔμεινον 791,2 E ταῖς Θήβαις *l* om.

792,1—2 E Ἐκ — οἶδα *l* om.

793,1 E Καὐτοῦ Ζηνός: (ubi pro : esse debebat]; nam lemma in cod. L non est teste Dind. II, 55) *l* καὐτοῦ ζωός 793,4 E Στέλλειν ὅπως τάχιστα· *l* στέλλειν ὅπως τάχιστα 793,6 E Ἀριστοφάνης *l* ἀριστ suprascripta syllaba ος 793,6 E Ἥρωσιν *l* ἐν ἥρωσιν Quod recipiendum est.

794,1 E Ὑπόβλητον: *l* ὑπόβλητον 794,2 E Ἀπὸ *l* ὑπὸ

795,1—2 E Στόμωσιν] — πανουργίαν *l* om.

800,1 E Ἀντὶ *l* πότερα· ἀντὶ Lemma igitur recipiendum est. 800,2 E ἤπερ *l* εἴπερ

803,1 E Πείθειν] Πείθειν με εἰς *l* πείθειν οἷός τ' εἶ· δῆλον εἰς Lemma igitur et δῆλον recipiendum est. 803,1 E ἀκολουθῆσαί σοι *l* ἀκολουθήσειν σοι Quae lectio fortasse praeferenda est. 803,2—807,2 E Τούσδε] — λέγειν *l* om.

808,1 E Ἄλλο *l* χωρὶς τό τ' εἰπεῖν· ἄλλο Lemma igitur recipiendum est. 808,2 E ἀναγκαῖα *l* ἀναγκαῖον

810,1—813,1 E Τοῖς — καλῶ *l* om.

814,1 E Ἢν σ' ἕλω] Ἐάν *l* ἢν σ' ἕλω ποτε· ἐὰν Lemma igitur recipiendum est. 814,2 E οἷα *l* om.

815,1—3 E Τῶνδε] — φύλακας *l* om.

816,1 E Κἄνευ τῶνδε] *l* κἄνευ τῶνδε 816,1—2 E εἰς Θήβας *l* ἐν Θήκαις

[illegible],1 E Τήνδε] — φησί *l* [illegible]

826,2 E ἑαυτοῦ *l* αὐτοῦ

829,1—840,1 E Τί — Κρέων *l* om.

842,1 E Ἐναίρεται σθένει: *l* ἐνέρεται σθένει 842,1 E [illegible] *l* [illegible] 842,1 E βίᾳ πορθεῖται *l* βία πορεύεται

845,1—875,1 E Πρὸς — βαρύ *l* om.

879,1 E Ταύτην *l* τονδ' ἄρα ταύτην Lemma igitur τάνδ' ἄρ' recipiendum est. 879,2 E τοῦτον *l* τόπον

881,1—884,2 E Τά γ' — φυτευτέον *l* om.

887,1 E ποθ' *l* ποθ suprascripta compendii nota, ut legisse videatur πόθεν, quod L in textu habet 887,1 E Ἄχρως *l* ἄχρω Eadem corruptela invenitur ad v. 131,5. 887,2 E θυσίαις *l* cum R ταῖς θυσίαις 887,3 E διατριβὴν *l* διατρίβειν

890,1 E Θᾶσσον] — βαδίζειν *l* om.

899,1 E Ἄνιπτον: Ἀπὸ ὑποδημάτων *l* ἄνιπτον· ὑπὸ ὑποδήματος 899,2 E ἔχει σχήματος ἕκαστος *l* ἔχεις χρήματος ἑκάστου

900,1 E Σπεύδειν ἀπὸ ῥυτῆρος: *l* σπεύδειν ἀπὸ ῥυτῆρος 900,1 E τοῦ βλαύτης L τῆς βλάστης *l* βλαστ suprascripto ς R τῆς βλαύτης 900,2 E cum R αὐτὸ *l* cum L αὐτὸν

903,1 E Ξένῳ] Τῷ Κρέοντι *l* om.

905,1 E Εἰ μὲν δι' ὀργῆς ἧκεν: *l* εἰ μὲν δι' ὀργῆς ἧκεν

908,1 E Τούτοισι *l* τούτοισι 908,2 E ἐπὶ *l* ἀπὸ Quod fortasse praeferendum est. 908,3—912,1 E Οὐκ — προγόνων *l* om.

916,1 E Ἄγεις θ' ἃ χρῄζεις καὶ παρίστασαι: *l* ἄγεις θ' ἃ χρῄζεις 916,2 E οὕτω *l* οὐ 916,3 E ἂν *l* δ' ἂν R δὲ ἂν 916,4 E λέγουσιν *l* λέγουσι 916,5 E Καὶ παρίστασαι βίᾳ: *l* καὶ παρίστασαι βίᾳ 916,6 E τῷ *l* cum L τὸ 916,6 E καταδουλοῖς *l* καταδουλεῖς 916,7 E παραστήσασθε *l* cum L (Dind. II, 56) παραστήσασθαι Quod recipiendum est. 916,7 E Παραφυλάττεσθαι *l* περιφυλάττεται L παραφυλάττεται (Dind. II, 56) Scribendum sine dubio παραφύλαττε, cf. ad v. 960,4. 916,8 E ὡς *l* cum R καὶ 916,10—11 E [Εἰς τὸ αὐτό.] — βίᾳ *l* om.

929,1 E Σὺ δ' ἀξίαν οὐκ οὖσαν: *l* σὺ δ' ἀξίαν 929,3 E Πόλιν] Τὴν Θήβην *l* om.

934,1 E Εἰ μὴ μέτοικος τῆσδε: *l* εἰ μὴ μέτοικος τῆσδε 934,2 E ἔνοικος *l* cum R μέτοικος Quae lectio praeferenda est. 934,4—5 E τοῦτο δὲ ἔνοικον *l* cum R om. 934,5 E οἰωνῶν *l* οἰνῶν 934,8—9 E Μετοίκους — ἐνοίκων *l* cum R om. 934,10 E Μέτοικος] — ἔνοικος *l* cum R om.

(Continuabitur.)